प्रकाशनार्थ :

नशामुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण में अणुव्रत की महत्वपूर्ण भूमिका : शीला दीक्षित

नई दिल्ली, २८ सितम्बर २०१२

मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित ने कहा कि संतुलित एवं शांतिपूर्ण जीवन के लिए नशामुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी से शांति एवं अहिंसा की स्थापना संभव है। इसके लिए संत और साहित्यकार अपनी ऊर्जा का उपयोग करे तो हिंसा, नफरत, नशा, पर्यावरण असंतुलन आदि समस्याओं से जूझ रहे राष्ट्र को निजात मिल सकती है। संतों से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र की समस्याओं को सुलझाने का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए।

श्रीमती शीला दीक्षित आज अपने निवास पर अणुव्रत महासमिति द्वारा आयोजित विचार संगीति के दौरान आचार्य श्री महाश्रमण की पुस्तक 'शिलान्यास धर्म का ' एवं 'संपन्न बनो' का लोकार्पण करते हुए उक्त उद्‌गार व्यक्त किए। श्रीमती शीला दीक्षित ने इस अवसर पर आगे कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि आचार्य श्री महाश्रमण आचार्य श्री तुलसी एवं आचार्य श्री महाप्रज्ञ की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए देश के नैतिक एवं चारित्रिक मूल्यों के उत्थान में अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने दिल्ली को नशामुक्त एवं प्लास्टिक थैली मुक्त बनाने में अणुव्रत आंदोलन के कार्यकर्ताओं के प्रयत्नों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राजधानी दिल्ली में गुटखा प्रतिबंध एवं प्लास्टिक की थैलियों पर रोकथाम का आदेश तो पारित कर दिया गया है लेकिन स्वस्थ एवं स्वच्छ समाज की स्थापना के लिए जन-जागृति जरूरी है और इसके लिए अणुव्रत आंदोलन जैसे नशामुक्ति के अभियान को अधिक सक्रिय होकर अपनी गतिविधियों का संचालन करना चाहिए।

इस अवसर पर अणुव्रत महासमिति के अध्यक्ष श्री बाबूलाल गोलछा ने श्रीमती शीला दीक्षित के सक्षम नेतृत्व में दिल्ली सरकार द्वारा पारित किये गये गुटखा प्रतिबंध एवं प्लास्टिक की थैलियों पर रोकथाम के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इस निर्णय से राजधानी को नशामुक्त बनाया जा सकेगा। उन्होंने अणुव्रत महासमिति द्वारा आचार्य श्री महाश्रमण के नेतृत्व में संचालित हो रहे व्यसनमुक्ति, मद्य निषेध, व्यवहार शुद्धि, नैतिक शिक्षा, भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं भावनात्मक एकता इत्यादि गतिविधियों की जानकारी दी। अणुव्रत के सक्रिय कार्यकर्ता श्री ललित गर्ग ने कहा कि मानवीय एवं नैतिक मूल्यों के विकास के लिए व्यसनमुक्ति जरूरी है। उन्होंने दिल्ली सरकार द्वारा संचालित हो रहे नशामुक्ति केन्द्रों के साथ प्रेक्षाध्यान की गतिविधियों को जोड़ने की आवश्यकता व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने आचार्य श्री महाश्रमण के अमृत महोत्सव पर अपने संपादन में प्रकाशित निर्गुण चदरिया ग्रंथ की प्रति श्रीमती दीक्षित को भेंट किया।

इस विचार संगीति में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा शाहदरा के अध्यक्ष श्री भानूप्रताप बरड़िया, श्री शांतिलाल पटावरी, दिल्ली प्रादेशिक अणुव्रत समिति के अध्यक्ष श्री बाबूलाल दुगड़, अणुव्रत पाक्षिक के सह-संपादक श्री प्रदीप संचेती, श्रीमती राज गुनेचा, श्रीमती प्रिया सोनी, श्री अभय सिंघी आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। प्रारंभ में श्री बाबूलाल गोलछा एवं श्री प्रदीप संचेती ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर श्रीमती दीक्षित का स्वागत किया।

प्रेषक :

(ललित गर्ग)
प्रचार-प्रसार मंत्री : अणुव्रत महासमिति
२१०, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-११०००३
मो॰ ९८११०५११३३

फोटो विवरणः

(१) दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित आचार्य महाश्रमण की पुस्तक 'शिलान्यास धर्म का' एवं 'संपन्न बनो' पुस्तकों का लोकार्पण करते हुए। साथ में हैं- अणुव्रत महासमिति के अध्यक्ष श्री बाबूलाल गोलछा, पत्रकार श्री ललित गर्ग, श्री शांतिलाल पटावरी एवं श्री प्रदीप संचेती।

(२) दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित को प्रदत्त अभिनंदन पत्र का वाचन करते हुए अणुव्रत महासमिति के अध्यक्ष श्री बाबूलाल गोलछा, साथ में पत्रकार श्री ललित गर्ग, श्री शांतिलाल पटावरी, श्री प्रदीप संचेती एवं श्रीमती राज गुनेचा।

(२) दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित को आचार्य महाश्रमण के अमृत महोत्सव का प्रकाशित ग्रंथ 'निर्गुण चदरिया' भेंट करते हुए ग्रंथ के संपादक श्री ललित गर्ग, साथ में हैं- अणुव्रत महासमिति के अध्यक्ष श्री बाबूलाल गोलछा, श्री शांतिलाल पटावरी, श्री प्रदीप संचेती एवं श्रीमती राज गुनेचा।